बारिश न होने से किसान चिंतित

आकाश की ओर नजरें गड़ाए बैठे हैं कृषक

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

मोर्शी, 14 जून- खरीफ सीजन की पार्श्वभूमि पर अधिकांश किसानों ने कृषि कार्यों की पूर्वतैयारी पूर्ण कर ली है तथा बुआई के लिए कृषि भूमि तैयार रखी है. किंतु तहसील में अभी तक बारिश ने हाजिरी नहीं लगाई. जिसके कारण फिलहाल किसान आकाश की ओर नजरें गडाए बैठे बारिश की बड़ी आतुरता से प्रतीक्षा कर रहे हैं. किसानों ने अभी तक अपने खेतों में कृषि तैयारी के सभी काम लगभग 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिए है. किंतु, अभी तक बारिश का आगमन नहीं होने से किसान चिंतित है. प्रतिवर्ष जून के पहले सप्ताह में बारिश का आगमन हो जाता है. इस वर्ष मात्र बारिश ने डंडी मार दी है. मौसम में परिवर्तन और कम बारिश की संभावना के कारण किसानों की चिंता में और अधिक वृध्दि हो गई

है. किसानों ने सोयाबीन, कपास, तुअर और अन्य फसलों की बुआई के लिए आवश्यक नियोजन कर लिया है. किंतु फिर भी बारिश के अभाव में बुआई की शुरूआत नहीं हो पाई है. दूसरी ओर राज्य शासन द्वारा घोषित की गई कर्जमाफी के निर्णय की ओर भी किसानों का ध्यान लगा है.

कर्जमाफी की घोषणा होने पर भी उसका प्रत्यक्ष लाभ किसानों के खाते में जमा होने में विलंब होने की भावना किसानों में है. जिसके कारण अनेक किसानों को नया फसल कर्ज मिलने में अड़चनें निर्माण हुई हैं. फसल कर्ज के अलावा बीज, खाद व अन्य कृषि सामग्री की खरीदी करना कठिन हो जाने से अनेक किसान आर्थिक संकटों का सामना कर रहे हैं.

एक ओर तो बारिश की प्रतीक्षा और दूसरी ओर किसान आर्थिक अड़चनों जैसे दोहरे संकट में फंस गए हैं. समय पर बारिश न होने पर खरीफ सीजन पर परिणाम होने का भय व्यक्त किया जा रहा है. जिसके कारण किसानों को राहत देने के लिए शासन को कर्जमाफी की प्रक्रिया को गतिमान बनाने तथा बैंकों को फसल कर्ज वितरण में सुलभता लाने की मांग किसानों द्वारा की जा रही है.

सुखदायी सीजन के लिए प्रार्थना

फिलहाल मात्र मोर्शी तहसील के किसान आकाश की ओर नजरें गड़ाए बैठे हैं तथा पहली जोरदार बारिश की प्रतीक्षा कर रहे हैं. बारिश की प्रत्येक आहट की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखनेवाले किसान इस बार का खरीफ सीजन सुखदायी जाए, ऐसी प्रार्थना कर रहे हैं.

घोड़देव सिंचाई परियोजना के कारण सुधरे हालात

संतरा उत्पादक किसानों के लिए बनी वरदान

संवाददाता/ प्रतिदिन अखबार

मोर्शी,14 जून- तहसील की घोडदेव सिंचाई परियोजना क्षेत्र के संतरा उत्पादक किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है. पूर्व कृषि मंत्री हर्षवर्धन देशमुख की दूरदृष्टि से साकार हुई इस परियोजना ने घोडदेव, दापोरी, डोंगर यावली, हिवरखेड, सालबर्डी सहित अनेक गांवों के किसानों को बारहमासी सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई है.

पहले इस क्षेत्र की खेती पूरी तरह वर्षा पर निर्भर थी. अनिश्चित बारिश के कारण संतरा बागानों के उत्पादन और गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था. कई किसानों को पानी की कमी के चलते आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता था, लेकिन घोडदेव सिंचाई परियोजना के शुरू होने के बाद हजारों हेक्टेयर भूमि सिंचाई के दायरे में आ गई, जिससे खेती को नई दिशा मिली.

नियमित जल उपलब्धता के कारण संतरा उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. फलों की गुणवत्ता बेहतर हुई है और किसानों की आय में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है. अनेक किसानों ने आधुनिक तकनीकों को अपनाकर बागवानी आधारित खेती को बढ़ावा दिया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है.राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस मोर्शी तहसील अध्यक्ष रुपेश वालके ने कहा कि घोडदेव सिंचाई परियोजना ने किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है. उन्होंने कहा कि यह परियोजना हर्षवर्धन देशमुख की दूरदृष्टि और किसान हित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है. आज यह परियोजना क्षेत्र के हजारों किसानों की समृद्धि का आधार बन चुकी है.

अचलपुर: एसबीआई की मनमानी से आक्रोश में हैं खातेदार

अनुमति के बिना रकम कटौती के आरोप

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

अचलपुर, 14 जून- स्थानीय चावल मंडी परिसर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा के खिलाफ खातेदारों में तीव्र रोष दिखाई देता है तथा विविध बीमा व अन्य योजनाओं के नाम पर खातेदारों के खाते से अनुमति के बिना रकम की कटौती किए जाने का आरोप सामने आ रहे हैं, अनेक खातेदारों ने इस संबंध में शिकायतें की है तथा संबंधित मामले की जांच करके जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई करने की मांग जोर पकड़ रही है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, अचलपुर शहर की चावल मंडी स्थित एसबीआई की शाखा में खाते रहनेवाले अनेक ग्राहकों के खातों से विविध योजनाओं के नाम पर रकम की कटौती की जा रही है. कुछ खातेदारों के कथनानुसार, उनके खाते में पैसे जमा होते ही बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना उसी प्रकार अन्य सेवाओं के नाम पर रकम काट ली जा रही है. उल्लेखनीय है कि इस कटौती के संबंध में संबंधितों को पूर्वसूचना अथवा स्पष्ट सम्मति नहीं लिए जाने का आरोप ग्राहकों ने लगाया है.

कुछ खातेदारों ने इससे पूर्व ही बैंक के पास लिखित आवेदन देकर उनके खाते से कोई भी रकम बिना अनुमति न काटी जाए. किंतु उसके बावजूद भी रकम कटौती का यह सिलसिला शुरू ही रहने का दावा किया जा रहा है. जिसके कारण सामान्य ग्राहक, किसान, मजदूर, ज्येष्ठ नागरिक और छोटे बचत खाताधारक आर्थिक परेशानी में आ गए है. खातेदारों के अनुसार, अनेक को कटौती होने के बाद ही इस व्यवहार की जानकारी मिलती है. कुछ मामलों में ग्राहकों को कटौती का कारण समझने के लिए बारबार बैंक के चक्कर काटने पड रहे है, इसके कारण ग्राहकों का समय और पैसा दोनों भी व्यर्थ जाने की भावना व्यक्त की जा रही है. स्थानीय नागरिक व सामाजिक कार्यकताओं ने इस संपूर्ण मामले की उच्चस्तरीय जांच करने की मांग की है. ग्राहकों की स्पष्ट सम्मति न लेते हुए किसी भी योजना में सहभागी किए जाने पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारी पर कठोर कार्रवाई की जाए, ऐसी मांग सामने आ रही है. इसी दौरान, इन आरोपों के संबंध में बैंक प्रशासन की ओर से कोई अधिकृत भूमिका अभी तक सामने नहीं रखी गई है तथा खातेदारों की शिकायतों की भी दखल लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल जांच करवाने की मांग नागरिकों की ओर से की जा रही है. नागरिकों के आर्थिक हितों की सुरक्षा करना, यह बैंक की जिम्मेदारी है तथा ऐसी शिकायतों के कारण बैंकिंग व्यवस्था पर नागरिकों का विश्वास कम होने का भय व्यक्त किया जा रहा है.

शांतता समिति के सदस्य एवं पुलिस पाटील सतर्क रहें

पुलिस अधीक्षक दत्ता तोटेवाड ने दिए निर्देश

संवाददाता/ प्रतिदिन अखबार

दर्यापुर,14 जून- दर्यापुर पुलिस थाने में अपर पुलिस अधीक्षक दत्ता तोटेवाड की अध्यक्षता में शांतता समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, बढ़ते अपराध, युवाओं में नशे की लत, यातायात नियमों के उल्लंघन तथा विभिन्न सामाजिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में पुलिस पाटील, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी तथा नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे. दत्ता तोटेवाड ने पुलिस पाटीलों से उनके गांवों की कानून-व्यवस्था, अपराध की स्थिति और स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली. उन्होंने शांति समिति के सदस्यों और पुलिस पाटीलों से सतर्क रहकर पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आह्वान कियायइस दौरान पत्रकारों और सामाजिक कार्यकताओं ने युवाओं में बढ़ती नशाखोरी पर चिंता व्यक्त करते हुए अवैध कारोबार, मादक पदार्थों की बिक्री तथा सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली असामाजिक गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की. नागरिकों ने बढ़ते अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता भी बताई.अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी सुझावों और शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि पुलिस और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय से कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा सकता है.इस अवसर पर नवनियुक्त पुलिस निरीक्षक अजित राठोड ने अपराध नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाने तथा कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही. बैठक का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ.

यह कार्रवाई अमरावती ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक प्रशांत जाधव और उनकी टीम ने अंजाम दी. पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है.

रोजगार सेवक ने हड़पे किसान के पैसे

धोखाधड़ी की इस घटना की हो रही सर्वत्र निंदा

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

वरुड, 14 जून- किसान शुभम सुरेश दंवडे (चांदस) के पिता के नाम की रोगायो फलबाग योजना में चांदस के रोजगार सेवक रुपेश बारस्कर के पद का गलत इस्तेमाल कर, उनके खेत में काम नहीं कर खुद की पत्नी, मां और नजदिकी 2 व्यक्तियों के नाम पर मस्टर भरा. कामगार की जगह पर अपने ही रिश्तेदारों के नाम डालकर परस्पर पैसे हडप लिये. यह भ्रष्टाचार है. गरीबों का हक का प्रहार करनेवाला मामला

रहने से संबंधित प्रशासन ने इस भ्रष्टाचार की गहन जांच कर दोषी रोजगार सेवक पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग शुभम दवंडे ने की है.जानकारी के अनुसार, शुभम के पिता सुरेश संतोष दवंडे के नाम से रोगायो से वर्ष 2022 में मग्रारोहयो अंतर्गत कृषी विभाग मार्फत फलबाग बुआई मंजूर हुई

परंतु फलबाग बुआई करने के लिये शुभम ने दिये हुये अकुशल मजदुर का जॉबकार्ड नहीं लगाकर रोजगार सेवक ने उसकी मां, पत्नी और नजदिकी 2 व्यक्तियों के काम पर हाजिरी पर मस्टर भरकर, जिओ टैग व ऑनलाइन कर उसके खाते से पैसे उठा लिये. दोषी रोजगार सेवक पर कार्रवाई की मांग.

धोतरखेडा ग्राम पंचायत चुनाव

सरपंच और सदस्य पदों के आरक्षण की घोषणा

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

परतवाड़ा, 14 जून - धोतखेड़ा ग्राम पंचायत के आगामी सार्वत्रिक चुनाव 2026 के संदर्भ में, सदस्य पदों के आरक्षण की लॉटरी प्रक्रिया गुरुवार (12 जून) को ग्राम पंचायत कार्यालय में एक विशेष ग्राम सभा के दौरान संपन्न हुई. यह प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई.यह विशेष ग्राम सभा सहायक राजस्व अधिकारी तथा लॉटरी प्रक्रिया के अध्यक्ष कैलाश गुलसुंद्रे की अध्यक्षता में संपन्न हुई. इस अवसर पर ग्राम पंचायत के प्रशासक एड. मोहन आठवले, प्रभारी ग्राम पंचायत अधिकारी वृंदावन माकोडे, प्रशासनिक समिति के सदस्य, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे. लॉटरी के माध्यम से धोतखेड़ा ग्राम पंचायत के कुल 11 सदस्य पदों का आरक्षण तय किया गया है. साथ ही, सरकार के स्वतंत्र आरक्षण निदेर्शानुसार, धोतखेड़ा ग्राम पंचायत का सरपंच पद 'खुला' घोषित किया गया है. प्रशासक एड.मोहन आठवले ने ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि पूरी चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और कानूनी प्रावधानों के अनुसार संचालित की जाएगी. आरक्षण की घोषणा के बाद से ही क्षेत्र में चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है और इच्छुक उम्मीदवारों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है.

शो-पीस बना शिंदी (बु.) का पशु चिकित्सालय

स्थायी डॉक्टर न होने से पशुपालक परेशान

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

परतवाड़ा,14 जून - सरकार ने एक ओर किसानों की आय बढ़ाने और पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए बड़े-बड़े दावे किए हैं. वहीं दूसरी ओर, लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई सरकारी इमारत केवल प्रशासन की उदासीनता के कारण धूल फांक रही है. अचलपुर पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले शिंदी बु. स्थित पशु चिकित्सालय की हालत ऐसी ही है. यहाँ 65 लाख रुपये खर्च कर बनाई गई भव्य इमारत आज केवल एक 'शो-पीस' बनकर रह गई है. इस अस्पताल में स्थायी डॉक्टर उपलब्ध न होने से क्षेत्र के पशुपालक भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं.

अस्पताल में व्यवस्था खराब होने के कारण बीमार पशुओं को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है. बारिश के मौसम में अथवा बीमारियों के फैलने के समय पशुपालकों को अपने बीमार पशुओं को दूर ले जाना पड़ता है या निजी डॉक्टरों से महंगा इलाज कराना पड़ता है. गरीब किसानों के लिए निजी डॉक्टरों का खर्च उठाना मुश्किल है, जिससे कई बार उनके पशुओं की जान भी जोखिम में पड़ जाती है. ग्रामीणों का आरोप है कि वरिष्ठ अधिकारी जिम्मेदार हैं. ग्रामीणों ने यह शंका भी जताई है कि क्या जानबूझकर निजी डॉक्टरों को फायदा पहुँचाने के लिए यहाँ डॉक्टर नियुक्त नहीं किए जा रहे हैं? ग्रामीणों की ओर से चेतावनी दी गई है कि अचलपुर पंचायत समिति और जिला परिषद के पशुपालन विभाग को इस मामले पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और तुरंत पशु चिकित्सा अधिकारी (डॉक्टर) की नियुक्ति करनी चाहिए, अन्यथा क्षेत्र के नाराज किसान तीव्र आंदोलन करेंगे.

65 लाख का खर्च, पर सुविधाओं का अभाव

शिंदी बु. और आसपास के गांवों में पशुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन ने यहां 65 लाख रुपये खर्च कर अत्याधुनिक पशु चिकित्सालय की इमारत मंजूर की और इसका निर्माण कार्य भी पूरा हो गया. शुरूआत में इमारत बनने से स्थानीय किसानों में खुशी थी और उन्हें उम्मीद थी कि उनके पशुओं को समय पर इलाज मिलेगा. लेकिन इमारत बनने के बाद भी वहां स्थायी डॉक्टर की नियुक्ति नहीं की गई, जिससे जनता में आक्रोश है कि सरकार के 65 लाख रुपये पानी में बह गए.

65 लाख रुपये खर्च कर सरकार ने इतनी बड़ी इमारत क्यों बनाई? यदि हमारे पशुओं को समय पर इलाज ही नहीं मिलेगा, तो इस इमारत का क्या फायदा? यदि तत्काल स्थायी डॉक्टर नहीं दिए गए तो हम आंदोलन करेंगे. अनिल पाटिल ताथोंड, किसान एवं पशुपालक, शिंदी बु. अचलपुर पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाले इस अस्पताल के बारे में हमने प्रशासन से कई बार पत्राचार किया है. लेकिन केवल आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला. प्रशासन को किसानों की भावनाओं के साथ नहीं खेलना चाहिए और तत्काल डॉक्टर उपलब्ध कराना चाहिए.

-भूषण गाडगे, सामाजिक कार्यकर्ता, शिंदी बु.

लाखों रुपये के फंड के बाद भी यदि जनता को लाभ नहीं मिल रहा, तो इसके लिए अचलपुर पंचायत समिति और संबंधित पशुपालन विभाग के

शेंदूरजनाघाट के थानेदार पद पर राहुल गवई नियुक्त

दीपक महाडिक का मुर्तिजापुर ग्रामीण में तबादला

11 को संभाला पदभार

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

वरुड, 14 जून- शेंदूरजनाघाट पुलिस स्टेशन के थानेदार दीपक महाडिक के प्रशासकीय तबादले के बाद रिक्त हुई सीट पर थानेदार पद के सूत्र सहायक पुलिस निरीक्षक राहुल गवई ने हाथ में लिए. 11 जून की शाम को उन्होंने अधिकृत रुप से शेंदूरजनाघाट पुलिस स्टेशन का पदभार संभाला. तत्कालीन थानेदार दीपक महाडिक ने वरुड तहसील में निरंतर 4 वर्षों तक सेवा दी. इसमें उन्होंने प्रारंभ के 2 वर्ष वरुड पुलिस थाने में सहायक पुलिस निरीक्षक के रुप में, तथा आगे के 2 वर्षों में शेंदूरजनाघाट पुलिस स्टेशन के थानेदार के रुप में उत्कृष्ट कामकाज संभाला. इन 4 वर्षों के सफल कार्यकाल के बाद उनकी अकोला जिले में मुर्तिजापुर ग्रामीण में प्रशासकीय तबादला किया गया है.

महाडिक के तबादले के बाद वरुड पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक शिवहरी सरोदे ने 4 जून से 10 जून की कालावधि में शेंदूरजनाघाट पुलिस स्टेशन का अतिरिक्त कार्यभार संभाला था. इसी दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार सरोदे का भी कु-हा थाने में प्रशासकीय तबादला किया गया. अब नवनियुक्त थानेदार राहुल गवई ने अधिकृत रुप से अपना पदभार स्वीकार किया. राहुल गवई 2013 बॅच के पीएसआय है. उनका पुलिस दल का अनुभव आगे बडा है तथा उन्होंने इससे पूर्व अनेक जिलों में उल्लेखनीय कार्य किए है. 2013 में जिले में पहलीबार ही उनकी नियुक्ति हुई. 2019 से 2022 तक नासिक में सेवा, 2022 से 2023 पदोन्नति पर रिसोड में तबादला, 2023-2025 अमरावती ग्रामीण अंतर्गत शिरखेड पुलिस स्टेशन अंतर्गत थानेदार के रुप में कार्य किया. जुलाई 2025 से जून 2026 तक मोर्शी में सहायक पुलिस निरीक्षक के रुप में कार्यरत रहे.

अब उनका मोर्शी से तबादला होने के बाद गवई ने शेंदूरजनाघाट पुलिस स्टेशन के थानेदार के रुप में पदभार संभालते हुए अपनी नयी यात्रा की शुरूआत की है. उनकी नियुक्ति से परिसर में कानून व सुव्यवस्था अधिक मजबूत होगी, ऐसी अपेक्षा व्यक्त की जा रही है.

जनसमस्याओं का समाधान करें

नागरिकों ने नप सीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

परतवाड़ा,14 जून - अचलपुर शहर के वार्ड क्रमांक 13 के अंतर्गत जोहरीपुरा क्षेत्र के निवासियों ने इलाके की स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं की बदहाली को लेकर नगर परिषद के मुख्य अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा है. नागरिकों ने शिकायत की है कि लंबे समय से नालियों की सफाई नहीं हुई है. जिससे गाद और कचरा जमा हो गया है. इसके कारण गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है. क्षेत्र में जगह-जगह कचरे के ढेर लग गए हैं, जिससे भारी दुर्गंध फैल रही है. कचरे और गंदे पानी के जमाव से मच्छरों और जहरीले कीटों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है. मानसून के आगमन को देखते हुए महामारी फैलने का खतरा भी मंडरा रहा है. क्षेत्र में कई स्ट्रीट लाइट लंबे समय से बंद पड़े हुये हैं, जिससे रात के समय अंधेरा रहता है और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ बढ़ गई हैं. नालियों की तत्काल सफाई की जाए और भविष्य में नियमित सफाई सुनिश्चित करने के लिए सक्षम कर्मचारी नियुक्त किए जाएं. इलाके से कचरे को तुरंत उठाया जाए बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को बदला जाए. वहां पर नई लाइटें लगाई जाएं ताकि क्षेत्र सुरक्षित रहे. नप के मुख्याध्याधिकारी को यह ज्ञापन सौंपते समय नदीम खान, मोहम्मद आकीब, बबलू भाई, तौसीफ खान, अबरार बेग, अमानत खान, शेख आयन, अमजद खान, शेख शाहिद, शेख फारुक और मुदस्सिर खान सहित क्षेत्र के कई नागरिक और कार्यकर्ता उपस्थित थे.

नागरिकों ने प्रशासन से, परिसर में स्वास्थ्य समस्या निर्माण नहीं होने के मद्देनजर बारिश शुरु होने के पहले जल्द से जल्द उपरोक्त लिखित समस्याओं पर कार्रवाई करने की मांग की है.

सहायक जिलाधिकारी शुक्ला ने लिया पेट्रोल पंपों का जायजा

▶▶धारणी तहसील में पेट्रोल- डीजल की किल्लत ▶▶वाहनधारकों को उठानी पड़ रही है परेशानी

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

धारणी, 14 जून- मेलघाट की धारणी तहसील में डीजल किल्लत होने के कारण किसानों और वाहनधारकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. डीजल के लिए पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लंबी-

लंबी कतारें लग रही हैं तथा किसानों के ट्रैक्टर दिन भर तपती धूप में कतार में खडे रह रहे हैं.परिस्थिति का निरीक्षण करने के लिए सहायक जिलाधिकारी सिध्दार्थ शुक्ला और आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने पेट्रोल पंपों को भेंट देकर प्रत्यक्ष परिस्थिति का जायजा लिया. इस अवसर पर पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़ की उसी प्रकार किसानों को आ रही परेशानियों की जानकारी ली गई.

कृषि के सीझन में ट्रैक्टर के लिए डीजल की बड़े प्रमाण में आवश्यकता होती है, जिसके कारण किसानों को पर्याप्त प्रमाण में डीजल उपलब्ध करवाया जाएं, ऐसी मांग किसानों की ओर से की जा रही है. उपविभागीय अधिकारी ने पेट्रोल पंपधारक व नागरिकों को प्रशासन को सहयोग करने का आवाहन किया है.डीजल की आपूर्ति करने वाली एजेन्सी के साथ चर्चा करके मेलघाट में पर्याप्त प्रमाण में डीजल की आपूर्ति करने के लिए प्रयास किए जाने की बात प्रशासन की ओर से कही कई.

धारणी तहसील में शहर परिसर में केवल 4 पेट्रोल पंप है, जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को और किसानों को कई बार 50 से 60 किलोमीटर की दूरी से ट्रैक्टर में डीजल भरवाकर आना पड़ता है. डीजल किल्लत के कारण कृषि के कामों में बाधा न आए, इसलिए तत्काल उपाययोजना करने की मांग किसानों की ओर से की जा रही है.

करजगांव में दूषित जलापूर्ति से नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में

▶▶लाखों रुपयों की निधि आखिर गई कहां? ▶▶विकास की बजाय गांव बना कबाड

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

चांदूर बाजार, 14 जून- स्थानीय इंदिरा नगर प्रभाग क्रमांक 1 के परिसर में दूषित जलापूर्ति के कारण निर्माण जलजन्य बीमारियों का प्रकोप दिखाई दे रहा है तथा परिस्थिति अत्यंत गंभीर होती जा रही है. दूषित पानी से दस्त, उल्टियां और डायरिया सदृष्य बीमारियां होने से सैकडों नागरिक गंभीर रुप से बाधित हो गए है. इसके बावजूद भी स्थानीय ग्राम पंचायत प्रशासन अभी भी परिस्थिति में सुधार करने की मानसिकता में नहीं दिखाई देता. प्रभाग क्रमांक 2 की स्थिति भी धक्कादायक होने की जानकारी है.

विगत 8 दिनों से गांव में दूषित जलापूर्ति होने के कारण सैकडों बेकसुर नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में आ गया है. गांव में इतनी गंभीर स्थिति निर्माण होने के बावजूद भी ग्राम पंचायत व प्रशासन को मानो इस बात से कोई लेना-देना ही नहीं. प्रभाग क्रमांक 2 के फंटापुरा परिसर में दो स्थानों पर एक नाली का दूषित और एकदम गंदे पानी की आपूर्ति करनेवाली मुख्य पाइप लाइन की वॉल्व में जाने का चित्र दिखाई दे रहा है. इस अत्यंत गंभीर और लापरवाही के कारण फंटापुरा क्षेत्र में पुनः वहीं जानलेवा संक्रमण व भीषण परिस्थिति निर्माण होने की गहन संभावना निर्माण हो गई है. इस पर ग्राम विकास अधिकारी सुहास कोठेकर और तत्कालीन सरपंच तथा प्रशासक इंदिरा वानखडे गांव के नागरिकों की मूलभूत समस्याओं के संबंध में और स्वास्थ्य के संबंध में कितनी जागरूक है, यह स्पष्ट होता है तथा उनकी इस लापरवाह कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामवासियों में भारी रोष पनप रहा है.

गांव का विकास करने के लिए और नागरिकों को मूलभूत सुख-सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए शासन की ओर से प्रतिवर्ष करोडों रुपयों की निधि ग्राम पंचायत को दी जाती है. किंतु, प्रत्यक्ष में भूमि पर गांव की नालियों की सफाई नहीं की गई है, साफसफाई के बारह बज रहे है, पेयजल की समस्या अत्यंत गंभीर हो गई है और गांव की स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्णतः चरमरा गई है, शासन के लाखों-करोडों रुपयों की निधि आखिर गई कहां? विकास के नाम पर अधिकारियों ने और पदाधिकारियों ने मिलकर गांव को मानो कबाडखाना बना दिया है, ऐसी तिखि भावनाएं करजगांव के नागरिक अब खुले रुप से व्यक्त कर रहे है.

प्रशासकीय यंत्रणा कुंभकर्णी नींद में

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के वैद्यकीय अधिकारी डॉ.राधिका भंसाली द्वारा किए गए सर्वेक्षण के माध्यम से और पानी की ह्यओ.टी. टेस्टह्न रिपोर्ट से पानी के स्त्रोतों में बडे प्रमाण में त्रुटि पाए जाने की बात पहले ही स्पष्ट हो चुकी थी. गुटविकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत को कानूनी कार्रवाई की पात्रता की कारण बताओ नोटिस भेजी है. भविष्य में यदि इस परिसर में संक्रमित बीमारियां फैलने से परिस्थिति पूरी तरह नियंत्रण के बाहर हो गई, तो उसकी जिम्मेदारी पूर्णरुप से ग्राम पंचायत प्रशासन की रहेगी, ऐसी कडक चेतावनी भी दी गई है. ऐसा होते हुए भी, ऐन बारिश के मुहाने पर प्रशासन की इस जानलेवा लापरवाही के कारण नागरिकों में प्रचंड आक्रोश निर्माण हो गया है.